Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

25 फरवरी 2026

वर्ष - 03, अंक - 43 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

कृषि में शोध बढ़ायेंगे, मंडी निर्यात नीति भी लायेंगे

किसानों को लाभान्वित करने हम खेत से बाजार तक तैयार कर रहे पूरी श्रृंखला : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ हैं। इनके अथक परिश्रम से ही हमारे बाजार गुलजार है। हम वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। यह वर्ष प्रदेश के इतिहास में किसानों के हित और समग्र कल्याण के मामले में मील का पत्थर साबित होगा।उन्होंने कहा कि यह वर्ष 'खेत से लेकर कारखाने तक और बाग से लेकर बाजार तक' की पूरी मूल्य संवर्धन श्रृंखला को एक सूत्र में जोड़ेगा। इस वर्ष हम कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और इनमें वैल्यू एडिशन के लिए अधिकाधिक रोजगार आधारित उद्योगों के विकास, उन्नत किस्म के बीजोत्पादन, पशुपालन, दुग्धोत्पादन, मत्स्योत्पादन में वृद्धि सहित हर वो कदम उठाएंगे, जिनसे खेती और अन्नदाताओं का विकास हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से कृषि विश्वविद्यालय परिसर, ग्वालियर में हो रहे 'कृषि मंथन एवं कृषि प्रौद्योगिकी मेला 2026' को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना संबंधी कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में तेजी से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। हमारी सरकार प्रदेश में औषधीय और मसाला फसलों का उत्पादन बढ़ाने के सभी प्रयास कर रही है। हम जल्द ही कृषि उत्पादन निर्यात नीति लाने वाले हैं। हम कृषि में शोध कार्य भी बढ़ायेंगे। उन्होंने कहा कि हम खेती-किसानी और फल-फूलों की खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए कोई कसर नहीं रखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कृषि मंथन से जो अमृत निकलेगा, वह हमें किसानो के कल्याण के लिये प्रभावी और कारगर कदम उठाने में सहायक होगा। 'कृषि मंथन' राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) नई दिल्ली और कृषि विभाग, म.प्र. शासन के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' की थीम पर हो रहा कृषि मंथन निश्चित ही किसानों को खेती में जरूरी सुधार और बदलाव लाने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आधुनिक कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य क्षेत्रों में मूल्य-श्रृंखला विकास, प्रोसेसिंग, तकनीक अपनाने और ग्रामीण युवाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देकर व्यापक रोजगार सृजन करने पर फोकस कर रही है।

तकनीकी नवाचार, विविधीकरण और नीतिगत समर्थन से इन क्षेत्रों में न केवल उत्पादकता बढ़ाई जा सकेगी, बल्कि विपणन एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में बाजार अनुरूप लाभकारी व्यवस्था कृषकों के लिए निर्मित होगी। हम कृषि के अलावा उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं सहकारिता क्षेत्र में भी नई सोच से आगे बढ़ रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज कृषि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते जोखिमों का सामना कर रही है। इस मंथन में देश के विभिन्न कृषि संस्थानों के वरिष्ठ वैज्ञानिक विचार मंथन कर नई तकनीकों के विकास की राह प्रशस्त करेंगे। वीडियो कॉंफ्रेंसिंग में सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री निशांत वरवड़े, सचिव परिवहन एवं आयुक्त जनसम्पर्क श्री मनीष सिंह ने भोपाल से सहभागिता की।

होलिका दहन 2 को, लेण्डी 4 मार्च को

नीमच । होली और धुलेंडी की तारीखों को लेकर बना असमंजस अब समाप्त हो गया है। श्री कर्मकाण्डीय विप्र परिषद ने शास्त्रार्थ के बाद स्पष्ट किया है कि होलिका दहन 2 मार्च 2026, सोमवार को अर्धरात्रि 1.26 बजे से 2.30 बजे के बीच भद्रा पुच्छ में किया जाएगा। धुलेंडी 4 मार्च, बुधवार को मनाई जाएगी। परिषद ने यह निर्णय धर्मसिंधु-निर्णयसिंधु सहित विभिन्न प्राचीन पंचांगों जैसे श्री वल्लभ मनीराम पंचांग, श्री जयविनोदी पंचांग, श्री बंशीधर पंचांग और श्री सम्राट पंचांग का गहन अध्ययन करने के बाद लिया है। धुलेंडी की तारीख में बदलाव का मुख्य कारण 3 मार्च को लगने वाला चंद्रग्रहण का सूतक है। इस दिन सूर्योदय 6.55 बजे से सूतक प्रभावी हो जाएगा, जो शाम 6.47 बजे तक रहेगा। नीमच में ग्रहण चंद्रमा उदय के बाद शाम 6.30 बजे से 6.47 बजे तक लगभग 17 मिनट के लिए दिखाई देगा। सूतक काल में मंदिरों के पट बंद रहते हैं और प्रत्यक्ष पूजा निषिद्ध होती है। परंपरा के अनुसार, रंगोत्सव भगवान को होली खिलाने के बाद ही शुरू होता है। ऐसे में, सूतक के कारण 3 मार्च को धुलेंडी मनाना शास्त्रसम्मत नहीं माना गया। शास्त्रों के अनुसार, भद्रा काल में होलिका दहन वर्जित है, लेकिन भद्रा पुच्छ को शुभ और फलदायी माना गया है। 2 मार्च को शाम 5.56 बजे से भद्रा शुरू होकर 3 मार्च प्रातः 5.29 बजे तक रहेगी। इसी अवधि के दौरान रात्रि 1.26 बजे से 2.30 बजे तक का समय भद्रा पुच्छ का है, जिसे होलिका दहन के लिए श्रेष्ठ मुहूर्त बताया गया है।

अस्पताल पर आयुष्मान कार्ड के बावजूद लाखों वसूलने का आरोप

परिजनों ने बिल मांगने पर दुत्कारा, मरीज ने की धोखाधड़ी की शिकायत

नीमच । शहर का श्री राम मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल विवादों में घिर गया है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में दो अलग-अलग परिवारों ने अस्पताल प्रबंधन पर आयुष्मान योजना के तहत अवैध वसूली और धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। पहला मामला नीमच जिले की मनासा तहसील के ग्राम भटखेड़ा निवासी राजू बंजारा से संबंधित है। कुछ समय पहले राजस्थान के बांसवाड़ा में एक सड़क हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई थी, जिसके बाद उन्हें श्री राम अस्पताल में भर्ती कराया गया।

परिजनों का आरोप है कि आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त होने के बावजूद अस्पताल ने उनसे 1.50 लाख रुपये नकद वसूल लिए। राजू बंजारा की पत्नी ने बताया कि जब उन्होंने बीमा क्लेम के लिए इलाज के बिल मांगे, तो अस्पताल प्रबंधन ने बिल देने से इनकार कर दिया और उन्हें वहां से भगा दिया।

बिल न मिलने के कारण पीड़ित परिवार को अन्य बीमा राशि का लाभ नहीं मिल पा रहा है। परिवार ने 12 फरवरी 2026 को नीमच कैंट थाने में भी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर अब कलेक्टर से नगदी राशि वापस दिलाने और कार्रवाई की मांग की है। दूसरा मामला ग्राम जवासा निवासी दीपक राठौर का है। सितंबर 2024 में सड़क दुर्घटना के बाद उन्हें भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दीपक का आरोप है कि अस्पताल ने आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद उसे स्वीकार नहीं किया और ऑपरेशन व इलाज के नाम पर 1,80,000 रुपये की मांग की। गरीब परिवार ने उधार लेकर यह बड़ी राशि चुकाई। दीपक ने यह भी आरोप लगाया कि इतनी बड़ी राशि लेने के बाद भी उनका इलाज सही ढंग से नहीं किया गया, जिसके कारण उन्हें आज भी चलने-फिरने में अत्यधिक परेशानी हो रही है। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। दोनों ही मामलों में पीड़ितों ने पहले भी पुलिस, सीएम हेल्पलाइन और कलेक्ट्रेट में शिकायतें दर्ज कराई थीं, लेकिन उनका कहना है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

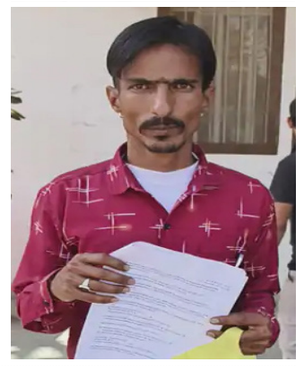

XUV ने बाइक सवारों को टक्कर मारी, दो युवकों की मौत, आरोपी ड्राइवर फरार

नीमच । जिले के कुकड़ेश्वर-मनासा मार्ग पर सोमवार रात एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा ग्राम घोटा पिपलिया के समीप फोफलिया फंटे पर हुआ, जब राजस्थान पासिंग महिंद्रा XUV500 ने बाइक सवार दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवारों को संभलने का मौका नहीं मिला। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर डायल 112 और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल के शवगृह में रखवाया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान ग्राम कड़ी खुर्द निवासी 22 वर्षीय दशरथ पिता रमेश मेघवाल और 36 वर्षीय जोर सिंह पिता मोतीलाल बंजारा के रूप में हुई है।

इस दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई कि टक्कर मारने वाला राजस्थान नंबर का वाहन (RJ-14, UE 5632) नीमच के नारकोटिक्स विभाग से जुड़े किसी अधिकारी का है। हालांकि, पुलिस या संबंधित विभाग ने अभी तक इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है।

चोरी गई इलेक्ट्रिक स्कूटी बरामद, चोर चंद घंटों में गिरफ्तार

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर सूचना से मिली सफलता, 20 वर्षीय युवक से स्कूटी जब्त

नीमच (निप्र)। बघाना क्षेत्र के रेलवे फाटक के पास से चोरी गई इलेक्ट्रिक स्कूटी की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में बरामदगी कर ली। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल द्वारा स्कूटी चोरी की घटना की शीघ्र पतारसी कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी बघाना राधेश्याम डांगी के नेतृत्व में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया। फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति चोरी की गई इलेक्ट्रिक स्कूटी ले जाते हुए दिखाई दिया। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मूलचंद मार्ग स्थित शराब ठेके के पास एक युवक स्कूटी बेचने की बात कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मुखबिर द्वारा बताए गए संदिग्ध युवक सुजल पिता राधेश्याम मावर, उम्र 20 वर्ष, निवासी सुभाष नगर, चौकी हाट की चौकी, थाना स्टेशन रोड, जिला रतलाम को घेराबंदी कर हिरासत में लिया। हिकमत अमली से पूछताछ करने पर आरोपी ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई मशरूका इलेक्ट्रॉनिक टीवीएस आई-क्यूब (TVS iQube) स्कूटी जब्त कर ली। मामले में अग्रिम विवेचना जारी है।

स्वच्छ नीमच के साथ स्वस्थ नीमच का संकल्प

श्रीमती चोपड़ा के नेतृत्व में हो रहा है बगीचों का कायाकल्प

नपा अध्यक्ष ने उपाध्यक्ष के साथ किया बगीचों का निरीक्षण

नीमच! नगर पालिका परिषद नीमच की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा द्वारा स्वच्छ नीमच के साथ स्वस्थ नीमच का संकल्प लेकर पर्यावरण सुधार की भावना से आमजन को शुद्ध हवा और स्वच्छ माहौल उपलब्ध कराने के लिए नीमच शहर के प्रमुख बगीचों का सौन्दरीयकरण करवाया जा रहा है! सोमवार 23 फरवरी को नपा अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा ने नपा उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना करण सिंह परमाल, स्वास्थ्य सभापति श्री धर्मेश पुरोहित व पार्षद श्री योगेश कवीश्वर के साथ शहर के प्रमुख उद्यान गांधी वाटिका, महावीर वाटिका व शिक्षक कॉलोनी स्थित बालाजी मंदिर बगीचे का निरीक्षण किया व बगीचा शाखा प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए! निरीक्षण के दौरान बगीचा शाखा प्रभारी श्री महावीर जैन भी नपाध्यक्ष के साथ थे।

नपा अध्यक्ष श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि वर्तमान में शहर के 18 बगीचों का लाखों रुपए की लागत से सौंदरीकरण के तहत रंग रोगन, लाइटिंग,पौधों की कटिंग व पौधारोपण सहित अनेक कार्य करवाए गए हैं तथा गांधी वाटिका में सौंदरीकरण का कार्य निरंतर जारी है! श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि बगीचों के सौंदरीकरण से बगीचे खूबसूरत लगने लगे हैं और आमजन का बगीचों की और रुझान बड़ा है! श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि गांधी वाटिका में पाथवे पर एक्यूप्रेशर टाइल्स व मंदिर के पास गेट से अंदर तक सीसी रोड निर्माण का प्रकरण भी तैयार किया गया है।

नमो पार्क होगा शहर का प्रमुख उद्यान - श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि ग्वालटोली तलैया के पास करोड़ों रुपए की लागत से नमो पार्क विकसित किया जाएगा जिसकी ड्राइंग डिजाइन तैयार हो चुकी है! नमो पार्क में सुंदर बगीचा,आकर्षक लाइटिंग, मनमोहक फव्वारे, बच्चों के मनोरंजन के साधन व आमजन के घूमने के लिए सुंदर पाथवे का निर्माण होगा!

आमजन भी एक घंटा मोबाइल से निकलकर बगीचे की और रुख करें - नपा अध्यक्ष श्रीमती चोपड़ा ने शहर वासियों के नाम अपने संदेश में कहा कि वर्तमान समय में बड़े से लेकर बच्चे तक मोबाइल में इस कदर व्यस्त है कि वे बगीचे में घूमने जाने और अपने स्वास्थ्य स्वास्थ्य के लिए समय ही नहीं निकाल पाते हैं! मेरा सभी से अनुरोध है कि वह प्रतिदिन सिर्फ एक घंटा मोबाइल से बाहर निकाल कर परिवार के साथ बगीचों मैं आनंद के पल बिताए जिससे परिवार में खुशी का माहौल निर्मित होगा और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह कदम काफी लाभदायक सिद्ध होगा।

इन बगीचों का हुआ सौन्दर्यकरण - श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि वर्तमान में गांधी वाटिका, महावीर वाटिका, शिक्षक कॉलोनी स्थित बालाजी मंदिर बगीचा,राजस्व कॉलोनी बगीचा,राठौर पार्क नीमच सिटी, शांति नगर में दो बगीचे, विकास नगर स्थित योगेश्वर महादेव मंदिर बगीचा,स्कीम नंबर 36 स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर बगीचा, इंदिरानगर में कपिशेश्वर मंदिर बगीचा, पंचवटी कॉलोनी बगीचा, वीनू वाटिका जवाहर नगर, अमृत गार्डन जवाहर नगर, स्कीम नंबर 34 स्थित अमृत गार्डन,बंगला नंबर 55 स्थित बगीचा,वार्ड क्रमांक 23 में बाबू भाई कचोरी वाले के सामने बगीचा, स्कीम नंबर 7 में कालका माता मंदिर बगीचा, वार्ड क्रमांक 18 में आसमानी माता मंदिर बगीचा व इंदिरानगर मैं रंजीत हनुमान मंदिर बगीचे का सौंदरीकरण कराया गया है और शेष बगीचे के सौंदरीकरण का प्रस्ताव भी तैयार करवाया जा रहा है!

प्रदेश के अस्पतालों में अब 'NAT' टेस्ट के बाद ही मिलेगा खून

भोपाल। प्रदेश के अस्पतालों में अब रोगियों को नैट (न्यूक्लिक एसिड टेस्ट) मशीन से जांचा हुआ रक्त ही चढ़ाने के लिए ब्लड बैंक से दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने यह व्यवस्था पिछले वर्ष दिसंबर में सतना के जिला अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित चार बच्चों को एचआइवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने की घटना से सबक लेते हुए शुरू की है। इंदौर-भोपाल के शासकीय मेडिकल कालेज में पहले से यह मशीन लगी है। अब सभी संभागीय मुख्यालयों में नैट मशीनें स्थापित करने की तैयारी है।

मशीन स्थापना और संचालन की कार्ययोजना - बता दें कि नैट मशीनें सरकारी मेडिकल कालेजों या ज्यादा रक्त संग्रहण वाले जिला अस्पतालों में लगाई जाएंगी, जहां से रक्त अन्य अस्पतालों के ब्लड बैंकों में पहुंचाया जाएगा। मशीनें सरकार नहीं बल्कि निजी कंपनी लगाएंगी, इसके बदले में उन्हें प्रति टेस्ट के मान से भुगतान किया जाएगा। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा जिला अस्पताल में सभी ग्रुप का ब्लड उपलब्ध रहे, ताकि इमरजेंसी में भी नैट से बिना जांचे रक्त चढ़ाने की नौबत न आए।

रक्त में पांच बीमारियों की होगी सूक्ष्म जांच - रक्तदान से मिलने वाले ब्लड में एचआइवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, मलेरिया और वीडीआरएल (यौन संक्रामक रोग) सहित पांच प्रकार की बीमारियों की जांच की जाती है। एचआइवी जांच कहीं रैपिड किट से तो कहीं एचआइवी का एक्लिया टेस्ट से की जाती है। एक्लिया टेस्ट में बीमारी आसानी से पकड़ में आ जाती है। सतना में एक्लिया की किट खत्म होने के कारण कुछ टेस्ट रैपिड किट से किए गए। नैट का लाभ यह है कि इसमें एचआइवी का विंडो पीरियड घटकर 15 दिन रह जाता है। विंडो पीरियड वह अवधि है, जिसमें बीमारी के विरुद्ध शरीर में एंटी बाडी नहीं बनने से वह पकड़ में नहीं आती। नई व्यवस्था में यह होगी चुनौती अधिकतर मामलों में स्वजन या परिचित द्वारा रक्तदान करने पर ही बदले में उसे ब्लड दिया जाता है।

जावद में 17.86 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

विकसित भारत के सपने को साकार करने का सभी लें संकल्प : सखलेचा

संयुक्त एसडीएम-तहसील व जनपद कार्यालय भवन बनेंगे, 'मन की बात' का हुआ सीधा प्रसारण

जावद। क्षेत्र में प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नवीन संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय एवं जनपद कार्यालय जावद के भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन समारोह रविवार को सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम दोपहर 1:00 बजे विधिवत रूप से प्रारंभ हुआ, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति रही।

भूमि पूजन कार्यक्रम विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा, जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, जनपद पंचायत जावद अध्यक्ष गोपाल चारण, जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव तथा जावद एसडीएम प्रीति संघवी नाहर की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सभी मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस मौके पर विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। वर्तमान बजट में जावद विधानसभा क्षेत्र को 12 नई सड़कों की स्वीकृति मिल चुकी है और लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए जनपद भवन एवं अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भवन बनने के बाद आम लोगों को अधिक सुविधाएं मिल सकेंगी। नए भवन में आम नागरिकों के बैठने की बेहतर व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सकेंगे।

गौरतलब है कि संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भवन के निर्माण पर 12.58 करोड़ रुपये तथा जनपद कार्यालय भवन के निर्माण पर 5.26 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जाएगी। इन भवनों के निर्माण से क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ बेहतर तरीके से मिल सकेगा। कार्यक्रम में नगर परिषद के सभी अध्यक्षगण, भाजपा जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में एसडीएम प्रीति संघवी नाहर ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

ललित गर्ग

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा।

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निमार्ताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची

छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल-आधारित नौकरियों की माँग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। ह्यमानवता केंद्र मेंह्व का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारूप है। यहाँ से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकताओं और नीति-निमार्ताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान गढ़ सकता है। यदि हम चुनौतियों को स्वीकार कर दूरदर्शिता से आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विशेष दिव्यांग शिविर संपन्न, विधायक सखलेचा की उपस्थिति में 184 हितग्राहियों को मिली राहत

रतनगढ़। कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं सामाजिक न्याय विभाग द्वारा जिला चिकित्सालय नीमच के सहयोग से रतनगढ़ में 'संकल्प से समाधान' अभियान के अंतर्गत विशेष दिव्यांग शिविर का सफल आयोजन किया गया। स्थानीय विरेन्द्र कुमार सखलेचा सामुदायिक भवन में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में जावद विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। शिविर के दौरान जिले के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दिव्यांग बच्चों एवं अन्य हितग्राहियों की त्वरित जांच की।

इस विशेष शिविर में कुल 184 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया, जिनमें अस्थि बाधित, मानसिक दिव्यांग, दृष्टि व श्रवण बाधित सहित अन्य श्रेणियों के दिव्यांग शामिल थे। मौके पर ही पात्रता अनुसार दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, रेलवे प्रमाण-पत्र और बस पास का वितरण किया गया ताकि पात्र व्यक्तियों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए भटकना न पड़े। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष गोपाल चारण, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि कचरूलाल गुर्जर, सीएमएचओ डॉ. डी. प्रसाद सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासन द्वारा आगामी शिविरों की श्रृंखला भी घोषित की गई है, जिसके तहत 25 फरवरी को जीरन, 27 फरवरी को रामपुरा, 5 मार्च को कुकडेश्वर व सिंगोली तथा 6 मार्च को मनासा में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन भरत कुमार भाटी ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्राथमिक चिकित्सा केंद्र रतनगढ़ के दीपक कारपेंटर द्वारा किया गया।

निर्माणाधीन पुलिया बनी हादसे की वजह, एक की मौत, एक गंभीर घायल

जावद (निप्र)। बहन की शादी की पत्रिका बांटकर घर लौट रहे युवक की रविवार रात सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। रतनगढ़–नीमच मार्ग पर निर्माणाधीन पुलिया के पास सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में बाइक अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई। हादसे में जावद निवासी सौरभ पिता विनोद गंगवाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद गौरव पिता संजय कानीगावा गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सौरभ गंगवाल व गौरव कानीगावा बहन की शादी की पत्रिका देकर रतनगढ़ से जावद लौट रहे थे। रात करीब 8:15 बजे दड़ौली क्षेत्र के लक्ष्मीपुरा के समीप निर्माणाधीन पुलिया पर डायवर्सन का सांकेतिक बोर्ड नीचे गिरा हुआ था। अंधेरे में चेतावनी संकेत स्पष्ट न होने से दोनों युवक मोटरसाइकिल सहित पुलिया से नीचे जा गिरे।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल गौरव कानीगावा को तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय, नीमच रेफर किया गया, जबकि मृतक सौरभ का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

सुरक्षा में लापरवाही, ठेकेदार पर उठे सवाल - रतनगढ़–नीमच सड़क पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी एक बार फिर उजागर हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं और पर्याप्त चेतावनी बोर्ड व बैरिकेड्स नहीं लगाए गए हैं। इसी लापरवाही के चलते आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है ।

इकलौता भाई था सौरभ - मृतक सौरभ गंगवाल परिवार का इकलौता पुत्र था। बहन का विवाह 10 और 11 मार्च को होना है, जिसकी तैयारियों में वह जुटा हुआ था। हादसे ने परिवार की खुशियों को गहरे शोक में बदल दिया है।

स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुरा में SC और ST संवर्ग के विद्यार्थियों को निःशुल्क लेखन सामग्री एवं पुस्तकें वितरण

रामपुरा । उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नियमित रूप से अध्ययनरत अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) संवर्ग के विद्यार्थियों को निःशुल्क स्टेशनरी एवं पुस्तकों का वितरण किया जा रहा है। उक्त आदेश के संदर्भ में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुरा के द्वारा दिनांक 24/02/2026 से महाविद्यालय में नियमित रूप से अध्ययनरत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति संवर्ग के विद्यार्थियों को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बलराम सोनी और ग्रंथपाल प्रमुख श्री रामस्वरूप अहिरवार के द्वारा छात्र- छात्राओं को निःशुल्क लेखन सामग्री एवं पुस्तकों का वितरण शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुरा के पुस्तकालय विभाग से किया जा रहा है सामग्री वितरण के समय उपस्थित प्राचार्य महोदय एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एन के डबकरा सर ने सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया और योजना के तहत महाविद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

ज्ञानोदय विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को योग करवाया

नीमच। ज्ञानोदय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय टास्क फोर्स कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को योग करवाया गया,जिसमें प्रो.भाग्या पांडे ने विद्यार्थियों को अनुलोम-विलोम, कपालभाति, सूर्य नमस्कार,भ्रामरी और बटरफ्लाई जैसे विभिन्न योग आसनों का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर समाज कार्य विभागाध्यक्ष प्रो.अनूप चौधरी, काउंसलर प्रो.श्रीमती भाग्य पांडे,प्रो. अंगुरबाला गायरी, प्रो.इरम शाह,प्रो. प्रेरणा चावड़ा और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करने के लिए आयोजित किया गया था, जिससे वे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रो.भाग्या पांडे ने विद्यार्थियों को योग के महत्व और इसके लाभों के बारे में बताया, जैसे कि तनाव कम करना, एकाग्रता बढ़ाना, और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करना।

पूरी दुनिया ने की सामर्थ्य की सराहना - पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि हाल ही में संपन्न एआई इंपैक्ट समिट में पूरी दुनिया ने भारत की क्षमता की प्रशंसा की। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले सप्ताह एआई इंपैक्ट समिट आयोजित किया गया था। इसका समापन दिल्ली घोषणापत्र के साथ हुआ। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर वैश्विक सहयोग में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसमें एआई को 'वैश्विक सार्वजनिक हित' बनाने पर सहमति बनी है। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस समेत 89 देशों व संगठनों ने इसका समर्थन किया है।

पूरी दुनिया ने की भारत की सराहना - प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, दिल्ली में हुए ऐतिहासिक एआई समिट में पूरी दुनिया ने भारत के सामर्थ्य की जमकर सराहना की है। इससे पता चलता है कि टेक्नोलाजी को लेकर हमारे युवा साथियों का सोच पूरी मानवता के बहुत काम आने वाला है। इस सम्मेलन में शिरकत करने वाले नेताओं में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल

मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, स्विस राष्ट्रपति गाई पार्मेलिन, मारीशस के प्रधानमंत्री नविनचंद्र रामगुलाम और दुनिया की प्रमुख तकनीकी कंपनियों के सीईओ शामिल थे।

घोषणा-पत्र 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की भावना पर आधारित है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि एआई के लाभ कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित न रहकर पूरी मानवता के लिए सुलभ और किफायती होने चाहिए।

भुगतान में देरी से संकट में मिड डे मील योजना

लागत राशि नहीं मिलने से कर्ज में डूब रहे महिला स्वयं सहायता समूह, 1 मार्च से चूल्हा बंद हड़ताल की चेतावनी

नीमच (निप्र)। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8वीं तक के छात्रों को प्रतिदिन निर्धारित मेनू के अनुसार (मिड डे मील योजना) अंतर्गत मध्यान्ह भोजन महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार कर वितरित किया जा रहा है। यह योजना प्रधानमंत्री पूरक पोषण आहार योजना के अंतर्गत संचालित है। लेकिन समय पर भोजन पकाने की लागत राशि का भुगतान नहीं होने से समूहों की महिलाएं गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रही हैं। किराना सामग्री, दाल, चावल, तेल, मसाले, शक्कर, दूध, हरी सब्जियां और गैस सिलेंडर जैसी आवश्यक वस्तुएं प्रतिमाह खरीदना अनिवार्य है। भुगतान में

देरी के कारण महिलाएं कर्ज लेकर योजना चला रही हैं। अब किराना व्यापारियों ने भी उधार सामग्री देना बंद कर दिया है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है।

70 प्रतिशत उपस्थिति के आधार पर भुगतान से बढ़ी परेशानी - महिला स्वयं सहायता समूह संगठन का कहना है कि विभाग द्वारा स्कूलों में दर्ज उपस्थिति के केवल 70 प्रतिशत बच्चों के आधार पर खाद्यान्न एवं राशि का भुगतान किया जाता है, जबकि समूहों को सभी उपस्थित बच्चों को भोजन उपलब्ध कराना पड़ता है। ऐसी स्थिति में वास्तविक उपस्थिति के अनुसार खाद्यान्न एवं भोजन पकाने की लागत राशि प्रदान की जानी चाहिए।

इसके अतिरिक्त जून माह में 15 दिनों के भोजन पकाने का रसोइयों का मानदेय भी नहीं दिया जाता। बजट में भी मध्यान्ह भोजन में कार्यरत लाखों महिला रसोइयों के मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है और प्रति बच्चे की भोजन पकाने की दर में भी वृद्धि नहीं की गई।

बार-बार ज्ञापन, फिर भी नहीं हुई कार्रवाई - महिला स्वयं सहायता समूह संगठन की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया मनोहर बैरागी ने कहा कि शासन और विभाग बार-बार बजट का हवाला देकर कामकाजी महिलाओं का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। महिलाओं को अपने हक और अधिकार के लिए बार-बार ज्ञापन, धरना और आंदोलन का सहारा लेना पड़ रहा है। संगठन द्वारा मुख्यमंत्री और जनप्रतिनिधियों को कई बार ज्ञापन सौंपा जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मंगलवार दोपहर 12:15 बजे मोहन यादव के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से पुनः ज्ञापन सौंपा जाएगा।

1 मार्च से चूल्हा बंद हड़ताल की चेतावनी - संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि बकाया राशि का शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो 1 मार्च 2026 से पूरे प्रदेश में संचालित स्वयं सहायता समूह और रसोइया "चूल्हा बंद" हड़ताल करने को मजबूर होंगे। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती सोना भरत प्रजापत (अठाना) ने बताया कि महंगाई के इस दौर में तीन-तीन, चार-चार माह तक भुगतान नहीं होने से महिलाएं आर्थिक रूप से टूट चुकी हैं। साथ ही महिला रसोइयों के लिए निःशुल्क बीमा एवं आकस्मिक आर्थिक सहायता की नीति बनाए जाने की भी मांग की गई है। संगठन ने यह भी प्रश्न उठाया कि सरकार "लाड़ली बहना" योजना की तर्ज पर प्रतिमाह निश्चित तिथि को भोजन पकाने की लागत और मानदेय का भुगतान क्यों नहीं कर रही है।

बॉर्डर पर नारकोटिक्स विभाग का बड़ा एक्शन....

10 किलो अफीम और 96 किलो डोडा चूरा जब्त, 3 तस्कर गिरफ्तार

फिल्मी स्टाइलः गिरफ्तारी से बचने के लिए तस्कर ने किया बेहोशी का नाटक, दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर कार छोड़ भागा

नीमच 22 फरवरी (निप्र)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (DNC) कोटा की टीम ने राजस्थान और मध्य प्रदेश की सीमा पर बड़ी कार्रवाई की है। डीएनसी कोटा के अधिकारी नरेश बुंदेल के निर्देशन में चित्तौड़गढ़ खंड-2 और सेल की टीम ने अलग-अलग ऑपरेशनों में करीब 10 किलो अफीम और 96.680 किलो डोडाचूरा बरामद कर तीन आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है।

पहली कार्रवाईः अरनिया माली रोड पर घेराबंदी, टियागो कार से डोडाचूरा बरामद - गुप्त सूचना के आधार पर चित्तौड़गढ़ खंड-2 की टीम ने अरनिया माली-निंबाहेड़ा रोड पर जाल बिछाया था। पानी वाले पुल के पास एक संदिग्ध टाटा टियागो कार को रुकवाया गया। पुलिस को देख कार सवार दो तस्करों में हड़कंप मच गया। एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर झाड़ियों के रास्ते फरार होने में कामयाब रहा, जबकि दूसरे को टीम ने दबोच लिया। तलाशी में कार से 96.680 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद हुआ। टीम ने वाहन और नशीला पदार्थ जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है।

दूसरी कार्रवाईः जावद में घर पर छापा, तस्कर ने किया 'हाईवोल्टेज ड्रामा' - इधर, चित्तौड़गढ़ सेल की टीम ने एमपी के जावद क्षेत्र में एक घर पर दबिश दी। यहां से 5.950 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान एक दिलचस्प वाकया सामने आया; जब अधिकारियों ने संदिग्ध से पूछताछ शुरू की, तो वह बचने के लिए बेहोशी का नाटक करने लगा। हालांकि, उसकी यह चालाकी काम नहीं आई और टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

अधिकारियों का कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने के लिए अभियान जारी रहेगा। फरार आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है ।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर।

प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।
- दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।
- आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।
- दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।
- यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

कैसा होना चाहिए घर का मुख्य द्वार

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो। दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

- एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।
- दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।
- एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।
- ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।
- घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।
- कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।
- मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।
- मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।
- घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।
- घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

क्या कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारणा में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतलब यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

सूर्योपासना के समय जपें ये खास मंत्र

महिलाओं को रविवार और सोमवार को सूर्योपासना से घर में समृद्धि व गर्भवती महिलाओं को गुणी पुत्र की प्राप्ति होती है। बह्मवैवर्त पुराण के अनुसार इन दिनों में खेजड़ी के पेड़ के नीचे प्रातः काल सूर्योपासना करते हुए इस मंत्र का 51 बार जाप करने से लाभ मिलता है-

नमः उग्राय वीराय सारंगाय नमो नमः।
नमः पद्मप्रबोधाय प्रचंडाय नमोस्तु ते।।
ओम आदित्याय नमः।

आत्मबल, बुद्धि, इन्द्रियों में सौम्यता, शिष्टता, काम, क्रोधादि शमन व मानसिक पीड़ा से मुक्ति के लिए इन महीनों में आने वाले हर रविवार को खेजड़ी के नीचे सूर्य के सामने बैठ इस मंत्र का 51 बार वाचन करें। पेड़ के नीचे की मिट्टी को लाकर घर में फेंकना शुभ होता है।

ओम नमः पूर्वाय गिरये पश्चिमायाद्रये नमः।
ज्योतिर्गणानां पतये दिनाधिपतये नमः।।
ओम सूर्याय नमः।

जिन महिलाओं को संतान सुख न हो, ऐसी महिलाओं को आंवले के पेड़ के नीचे अथर्ववेद के इस मंत्र का 101 बार जाप व सूर्य देव को जल सिंचन करने से संतान प्राप्ति सुख संभव है-

परिहस्त विधारय योनिं गर्भाय धातवे।
ओम भास्कराय नमः।

नीलें रंग के अपराजिता (विष्णुकान्ता) नामक पौधे के नीचे इस मंत्र का जाप करने से घर के मुकदमेबाजी व न्यायालय में विजय, घर में समृद्धि व स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम), चर्म रोग व श्वसन संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है। इस पौधे के न होने की दशा में पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर सूर्य को जल सिंचन कर इस मंत्र का 101 बार जाप करें -

ओम विश्वानिदेव सवितुः दुरितानि परांसुवः
यद् भद्रं तन्नासुवः। सूर्य कृणोतु भेशजं
चन्द्रमा वोपोच्छतु।।
ओम सूर्याय नमः।

दीर्घायु व हृदय संबंधी बीमारियों के लिए आश्विन व कार्तिक मास के प्रति रविवार बड़, ढाक, अशोक या सूर्यमुखी पौधे के नीचे आदित्य हृदय स्तोत्रम का पाठ करें या अथर्ववेद के इस मंत्र का 51 बार जाप करें -

उत सूर्योदिव एति पुरो रक्षांसि निजूर्वन।
ओम भानवे नमः।

कुशाग्र बुद्धि, इंटरव्यू में सफलता व शिक्षा से जुड़े पक्षों तथा वायु संबंधी रोगों के निवारण के लिए अथर्ववेद के इस मंत्र का पीपल के पेड़ के नीचे प्रातः काल हर रविवार इस मंत्र के जाप से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यं जीवमष्नवामहै न स रिष्याति पुरुषः।
त्वं सूर्यस्य रश्मिभिस्त्वं नोअसियज्ञिया।।
ओम सूर्याय नमः।

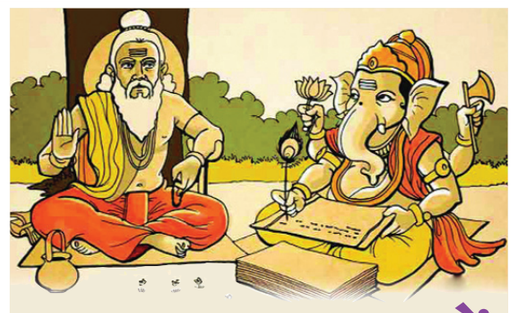

महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।
- द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।
- परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।
- इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।
- इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।
- इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर नहीं रहना चाहिए घर

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

- दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।
- भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।
- यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।
- यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।
- दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।
- सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।
- सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।
- जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

एसआर ग्रुप ऑफ कॉलेज द्वारा तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण 'गुजरात डिस्कवरी 2026' सम्पन्न

नीमच । दिनांक 16 फरवरी को महाविद्यालय परिसर से प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समूह द्वारा गुजरात भ्रमण हेतु प्रस्थान किया गया, जिसमें प्रथम दिवस स्वामी नारायण मंदिर पोईचा तथा नर्मदा सेंचुरी का आनंद लिया, द्वितीय दिवस की शुरूआत में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी (सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्टेच्यू) जो की विश्व की सबसे ऊंची स्टेच्यू है, विद्यार्थियों को उनकी इस विशालकाय स्टेच्यू के साथ साथ उनके इतिहास से अवगत कराया, तत्पश्चात स्टेच्यू के समीप स्थित जंगल सफारी में मौजूद विभिन्न प्रकार के मनमोहक जीव जंतु देखने का लुत्फ उठाया, रात्रि विश्राम के पश्चात तृतीय दिवस में सभी विद्यार्थियों को देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक श्री पावागढ़ काली माता मंदिर के दर्शन लाभ दिलाए गए, विद्यार्थियों में आस्था का एक अलग ही उत्साह जाग उठा, वही सभी ने मंदिर परिसर में गरबे ओर भजन का आनंद लिया। इसके पश्चात साइंस सिटी अहमदाबाद का रुख करते हुए छात्रों ने एक्वेटिक गैलरी , ओर रोबोटिक्स गैलरी में टेक्नोलोजी का वो रूप देखा जो भविष्य में एक अहम भूमिका निभाएगी । अहमदाबाद के व्यंजनों और वहां के बाजार का भ्रमण करने के बाद पुनः नीमच की ओर अग्रसर हुए और इसी के साथ शैक्षणिक भ्रमण का कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ । उपरोक्त कार्यक्रम महाविद्यालय संचालक श्री धर्मेश तिवारी, एडमिन श्री मोहनलाल शर्मा , फार्मेसी कॉलेज प्राचार्या डॉ चेतना त्रिपाठी , श्रीमती कल्पना जैन ,श्री गौरव माली,श्री दीपक नागदा इत्यादि स्टाफ के सहयोग एवं निर्देशन में कुशलता के साथ के सहयोग से पूर्ण हुआ , निर्देशक महोदय धर्मेश जी तिवारी ने भविष्य में भी अनेकों भ्रमण जिनमें शैक्षिक, औद्योगिक तथा अन्य समस्त प्रकार के आयोजन करने का विद्यार्थियों को आश्वासन दिया है , संस्था का उद्देश्य शिक्षा के साथ साथ उन्हें बाहरी जगत से जोड़ना भी है और निरंतर उनके विकास के लिए प्रयास करना है ।

मप्र में 34 लाख नाम हटाए, 5,39,81,065 मतदाताओं की अंतिम सूची जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (SIR) के अंतर्गत निर्वाचन आयोग ने शनिवार को अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। एक जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर जारी अंतिम मतदाता सूची में कुल 5,39,81,065 मतदाता पंजीकृत किए गए हैं। इनमें दो करोड़ 79 लाख चार हजार 975 पुरुष, दो करोड़ 60 लाख 75 हजार 186 महिला और 904 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। अंतिम मतदाता सूची से 34 लाख 25 हजार 78 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

प्रारूप सूची के बाद 8.49 लाख मतदाता बढ़े - मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व राज्य में कुल 5,74,06,143 मतदाता पंजीकृत थे। प्रारूप सूची के प्रकाशन के बाद यह संख्या 5,31,31,983 रही और अंतिम मतदाता सूची में 5,39,81,065 मतदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं। इस प्रकार प्रारूप सूची के बाद 8,49,082 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई है। प्रत्येक जिले में अंतिम मतदाता सूची की प्रतियां मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराई गई हैं। मप्र में 27 अक्टूबर, 2025 से प्रदेशभर में शुरू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत लगभग चार माह तक विभिन्न चरणों में नाम जोड़ने, विलोपन और संशोधन से संबंधित दावे-आपत्तियां 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक प्राप्त की गईं। इसके बाद 14 फरवरी 2026 तक सभी दावों और आपत्तियों का सत्यापन कर उनका निराकरण किया गया। एसआईआर की घोषणा के बाद प्रदेशभर में 5.74 करोड़ मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर उनके डिजिटलीकरण का कार्य मिशन मोड में किया गया।

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर संकट : नारायणी सेना ने खोला मोर्चा, रिलीज रोकने की दी चेतावनी

धनेरिया कलां में अहीर यादव समाज ने प्रदर्शन कर जताया आक्रोश, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

नीमच (निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती ग्राम धनेरिया कलां में प्रस्तावित फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' को लेकर विवाद गहरा गया है। फिल्म के शीर्षक और संभावित चित्रण को लेकर नारायणी सेना (अहीर यादव समाज) ने रविवार को उग्र विरोध प्रदर्शन किया। समाज के युवाओं ने हाथों में पोस्टर लेकर शांतिपूर्ण मार्च निकाला और स्पष्ट किया कि यदि फिल्म की सामग्री से समाज की गरिमा को ठेस पहुँची, तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा।

27 फरवरी की रिलीज पर रोक की मांग - नारायणी सेना के जिला अध्यक्ष हरीश अहीर और जिला महामंत्री निखिल अहीर ने कहा कि अहीर समाज का देश के सैन्य और सामाजिक इतिहास में गौरवशाली योगदान रहा है। फिल्म के माध्यम से समाज की छवि को गलत ढंग से पेश करने की आशंका है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि 27 फरवरी को प्रस्तावित रिलीज पर तत्काल रोक लगाई जाए।

निष्पक्ष जांच और सेंसर बोर्ड को अल्टीमेटम - नगर उपाध्यक्ष सुभाष अहीर और तहसील अध्यक्ष प्रकाश अहीर सहित पूरी टीम ने एकजुट होकर चेतावनी दी कि यदि फिल्म से आपत्तिजनक दृश्य और संवाद नहीं हटाए गए, तो समाज सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगा। समाज ने प्रशासन और सेंसर बोर्ड से मांग की है कि सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए फिल्म की सामग्री की पहले निष्पक्ष जांच कराई जाए।

होलाष्टक शुरू, 8 दिन शुभ काम वर्जित

नीमच । रंगों के पर्व होली से ठीक पहले शुरू होने वाला होलाष्टक इस वर्ष 24 फरवरी 2026 से आरंभ होकर 3 मार्च 2026 (होलिका दहन) तक रहेगा। सनातन परंपरा में इन आठ दिनों को ज्योतिषीय दृष्टि से संवेदनशील माना गया है और मांगलिक कार्यों से परहेज की सलाह दी जाती है। वैदिक पंचांग के अनुसार फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से होलाष्टक की शुरुआत होती है। अष्टमी तिथि आरंभः 24 फरवरी, सुबह 07:01 बजे और समापनः 3 मार्च 2026, होलिका दहन के साथ होगा। मान्यता है कि इन दिनों वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ा रहता है।

4.38 लाख करोड़ का ऐतिहासिक बजट, हर वर्ग के विकास का मजबूत आधार : सखलेचा

'GYANII' मॉडल पर आधारित बजट में किसान, युवा, महिला, गरीब और अधोसंरचना को प्राथमिकता, कोई नया कर नहीं, प्रदेश के समग्र विकास का स्पष्ट रोडमैप

नीमच (निप्र)। प्रदेश के पूर्व एमएसएमई मंत्री एवं जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 के रू. 4,38,317 करोड़ के बजट को ऐतिहासिक, जनहितैषी और सर्वस्पर्शी बजट बताते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश के समग्र विकास और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है । सखलेचा ने नीमच स्थित भाजपा जिला कार्यालय तपोभूमि पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह बजट 'GYANII' मॉडल पर आधारित है, जिसमें गरीब कल्याण, युवा सशक्तिकरण, अन्नदाता किसानों की उन्नति, महिला सशक्तिकरण, अधोसंरचना विकास तथा निवेश और उद्योग को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए कोई नया कर नहीं लगाया है और न ही कर दरों में वृद्धि की है, जो सरकार की जनहितकारी सोच को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था निरंतर मजबूत हो रही है और वर्ष 2026-27 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद रू 18.48 लाख करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। सरकार ने वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में समर्पित करते हुए कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए रू 1,15,013 करोड़ का प्रावधान किया है। प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना के तहत किसानों को 1 लाख सोलर सिंचाई पंप उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे कृषि क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी। सखलेचा ने कहा कि अधोसंरचना विकास के लिए रू. 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया जा रहा है, जिससे सड़कों, पुलों, सिंचाई और शहरी विकास के क्षेत्र में तेजी आएगी तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना, केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा शहरी विकास योजनाएं प्रदेश के विकास को नई दिशा देंगी।

बेसन के व्यंजनों की मिठास में अंजली और नमकीन में दिव्या प्रथम

- **बेसन के व्यंजनों पर आधारित कृति की व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित**
- **50 से अधिक महिलाओं ने सहभागिता कर बनाए स्वादिष्ट व्यंजन**

नीमच। बेसन के व्यंजनों की मिठास में अंजली आसवानी और नमकीन में दिव्या मुच्छाल ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अलावा अन्य प्रतिभागी महिलाओं ने भी अपने हुनर का प्रदर्शन कर एक से एक स्वादिष्ट व्यंजन बनाए। मौका था जिले की अग्रणी साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था कृति की व्यंजन प्रतियोगिता का, जिसमें शहर की 50 से अधिक महिलाओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाली महिलाओं की संस्था कृति ने प्रोत्साहन स्वरूप उपहार भी प्रदान किया।

जिले की अग्रणी साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था कृति द्वारा प्रतिवर्ष व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इस बार कृति की व्यंजन प्रतियोगिता बेसन पर आधारित व्यंजनों पर आधारित थी। व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन 24 फरवरी मंगलवार को शहर की गांधी वाटिका में दोपहर 2 बजे से किया गया, जिसमें 50 से अधिक महिलाओं ने बेसन से मीठे व नमकीन व्यंजन तैयार किए। इसके बाद निर्णायक मंडल के सदस्यों ने व्यंजनों का परीक्षण कर उनके टेस्ट व गुणवत्ता को देखा। इसके बाद बेसन के मीठे एवं नमकीन व्यंजनों की केटेगरी में पृथक-पृथक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कारों की घोषणा की। कृति अध्यक्ष डॉ अक्षय राजपुरोहित सचिव कमलेश कुमार जायसवाल एवं प्रचार सचिव कृष्ण कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि परिणामों की घोषणा के बाद अतिथि माहेश्वरी महिला मंडल नीमच की अध्यक्ष अनीता समदानी, महिला वैश्य महासम्मेलन नीमच की अध्यक्ष वंदना मंत्री और जिला अस्पताल की वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डा संगीता भारती ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

कृति की महिला प्रकोष्ठ प्रभारी मंजुला धीर ने बताया व्यंजन प्रतियोगिता के दौरान कृति के पूर्व अध्यक्ष भरत जाजू व उनकी पत्नी का वैवाहिक वर्षगांठ पर सम्मान किया गया। व्यंजन प्रतियोगिता में 50 से अधिक महिलाओं ने सहभागिता की और उन्होंने एक से बढ़कर एक व्यंजन बनाए हैं। इस अवसर पर महिलाओं के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन डॉ माधुरी चौरसिया के द्वारा किया गया ।

इस दौरान कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती सविता चौधरी, कोषाध्यक्ष राजेश जायसवाल, किशोर जेवरिया, प्रकाश भट्ट, रघुनंदन पाराशर, ओमप्रकाश चौधरी, घनश्याम अंब, इंजीनियर बाबूलाल गौड़, तेज सिंह जैन, सत्येंद्र सिंह राठौड़, महेंद्र त्रिवेदी, गणेश खंडेलवाल, डॉ मीना हरित, नीरज पोरवाल, सतीश भटनागर, गोपाल पोरवाल, मुकेश कासलीवाल सहित अन्य सदस्य विशेष रूप से मौजूद रहे ।

निर्णायक मंडल में यह शामिल- मोनिका जैन, अमरजीत कौर व ममता विजयवर्गीय।

बेसन के व्यंजनों में यह विजेता रहे

मीठा- चक्की के लिए अंजली आसवानी प्रथम, ड्रायफ्रूट रोल के लिए कुसूम काला द्वितीय, केक के लिए निकिता जैन तृतीय स्थान पर रही।

नमकीन- वेजिटेबल कटलेट के लिए दिव्या मुच्छाल प्रथम, खांडवी के लिए विनिता मंत्री द्वितीय, कल्मी बड़ा के लिए कृति धनोतिया तृतीय स्थान पर रही।

बच्चा चोरी की अफवाह पर युवक की बेरहमी से पिटाई

मंदसौर । शहर में बच्चा चोरी की अफवाहों के चलते एक युवक को बेरहमी से पीटा गया। रविवार शाम नरसिंहपुर क्षेत्र में घटना का वीडियो सामने आने और दैनिक भास्कर में खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। भीड़ ने शक के आधार पर युवक को बच्चा चोर समझकर बेरहमी से पीटा। लोगों ने पीड़ित के हाथ-पैर बांधकर जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से मारपीट की। पुलिस जांच में युवक मानसिक रूप से कमजोर पाया गया। सोमवार को पुलिस ने मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मारपीट करने वाले 3 आरोपियों को राउंडअप कर लिया है। जानकारी के अनुसार रविवार शाम नरसिंहपुर क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति घूमता हुआ दिखाई दिया। क्षेत्र के कुछ लोगों ने उसे बच्चा चोरी के शक में पकड़ लिया। देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों की भीड़ जमा हो गई और बिना किसी पुष्टि या शिकायत के युवक की पिटाई शुरू कर दी गई।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।